भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1899

गुरुवार, 16 मार्च, 2023/25 फाल्गुन, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

द्वादश ज्योतिर्लिंग टूरिस्ट सर्किट

1899. श्री नारायण कोरागप्पाः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वादश ज्योतिर्लिंगों (भगवान शिव के बारह पवित्र धाम) अर्थात् सोमनाथ-गुजरात, मल्लिकार्जुन-श्रीशैलम, आंध्रप्रदेश, महाकाल-उज्जैन, ओंकारेश्वर-मध्यप्रदेश, वैद्यनाथ-परली-झारखंड, भीमाशंकर-पुणे, रामेश्वर-रामेश्वरम, नागेश्वर-द्वारका-गुजरात, विश्वेश्वर-वाराणसी, त्रयंबकेश्वर-नासिक, केदारनाथ-केदारनाथ-उत्तराखंड, घृष्णेश्वर-औरंगाबाद को बढ़ावा दे रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) वर्ष 2022 के लिए पर्यटकों, स्थानीय और विदेशी दोनों, की संख्या के अनुसार उपरोक्त स्थानों की रैंकिंग क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) : पर्यटन मंत्रालय, द्वादश ज्योतिर्लिंगों सहित भारत के पर्यटन गंतव्यों का सदैव समग्र रूप से संवर्धन करता है । यह देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों के संवर्धन हेतु इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और डिजिटल मीडिया के माध्यम से घरेलू तथा वैश्विक बाजारों में प्रचार अभियान चलाता है । इसके अतिरिक्त संवर्धन कार्य आधिकारिक वेबसाइट के साथ-साथ मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से भी किया जाता है ।

(ख) : इसके अतिरिक्त, पर्यटन मंत्रालय संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) के परामर्श से अभिज्ञात तीर्थस्थलों और विरासत गंतव्यों के एकीकृत विकास के उद्देश्य से 'तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन' (प्रशाद) योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करता है । स्थलों को चिन्हित करना मुख्यतः राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों का विशेषाधिकार है। परियोजनाओं को निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन, पूर्व में जारी की गई निधियों के उपयोग आदि की शर्त पर स्वीकृत किया जाता है। प्रशाद योजना के अंतर्गत अभिज्ञात तीर्थस्थलों और विरासत संबंधी गंतव्यों के एकीकृत विकास के लिए स्वीकृत निधियों का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है ।

(ग) : तथापि, पर्यटन मंत्रालय द्वारा गंतव्यों की रैंकिंग नहीं की जाती है ।

*****

अनुबंध

द्वादश ज्योतिर्लिंग टूरिस्ट सर्किट के संबंध में दिनांक 16.03.2023 के राज्य सभा के लिखित प्रश्न सं. 1899 के भाग (ख) के उत्तर में विवरण

पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रशाद योजना के तहत द्वादश ज्योतिर्लिंग सहित स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	#	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत
1.	आंध्र प्रदेश	1.	अमरावती टाउन, गुंटूर जिले का पर्यटन स्थल के रूप में विकास **	2015-16	27.77
		2.	श्रीशैलम मंदिर का विकास **	2017-18	43.08
		3.	विशाखापत्तनम के सिंहचलम में श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी वरीदेवस्थानम में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास	2022-23	54.04
2.	अरुणाचल प्रदेश	4.	परशुराम कुंड, लोहित जिला का विकास।	2020-21	37.88
3.	असम	5.	गुवाहाटी और उसके आसपास कामाख्या मंदिर तथा तीर्थ स्थल का विकास **	2015-16	29.80
4.	बिहार	6.	विष्णुपद मंदिर, गया, बिहार में मूलभूत सुविधाओं का विकास**	2014-15	4.27
		7.	पटना साहिब में विकास **	2015-16	41.54
5.	छत्तीसगढ़	8.	माँ बम्लेश्वरी देवी मंदिर, राजनंदगाँव, डोंगरगढ़, छत्तीसगढ़ का विकास	2020-21	43.33
6.	गुजरात	9.	द्वारका का विकास **	2016-17	13.08
		10.	सोमनाथ में तीर्थयात्रा सुविधाएं **	2016-17	45.36
		11.	प्रशाद योजना के अंतर्गत सोमनाथ में प्रोमेनेड का विकास**	2018-19	47.12
		12.	सोमनाथ गुजरात में क्यू मैनेजमैंट सहित तीर्थयात्री प्लाजा का विकास	2021-22	49.97
		13.	बनासकंठा, गुजरात के अम्बाजी मंदिर में तीर्थस्थल पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	50.00
7.	हरियाणा	14.	पंचकुला जिले में नाडा साहेब गुरुद्वारा और माता मंशा देवी मंदिर का विकास	2019-20	49.52
8.	जम्मू एवं कश्मीर	15.	हजरतबल में विकास	2016-17	40.46
9.	झारखण्ड	16.	वैद्यनाथजी धाम, देवघर का विकास	2018-19	39.13
10.	केरल	17.	गुरुवयूर मंदिर का विकास**	2016-17	45.19

11.	मध्य प्रदेश	18.	ओंकारेश्वर का विकास	2017-18	43.93
		19.	अमरकंटक का विकास	2020-21	49.99
12.	महाराष्ट्र	20.	त्रियंबकेश्वर का विकास	2017-18	52.92
13.	मेघालय	21.	मेघालय में तीर्थ यात्रा की सुविधाओं का विकास	2020-21	29.32
14.	मिजोरम	22.	प्रशाद योजना के तहत मिजोरम राज्य में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन के लिए अवसंरचना का विकास	2022-23	44.88
15.	नागालैंड	23.	नागालैंड में तीर्थस्थल अवसंरचना का विकास	2018-19	25.26
		24.	प्रशाद योजना के तहत जुन्हेबोटो, नागालैंड में तीर्थयात्रा और पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	18.18
16.	ओडिशा	25.	मेगा परिपथ के तहत पुरी में श्री जगन्नाथ धाम - रामचंडी - देउली में प्राची नदी तट पर अवसंरचना विकास##	2014-15	50.00
17.	पंजाब	26.	अमृतसर में करुण सागर वाल्मीकि स्थल का विकास**	2015-16	6.40
		27.	प्रशाद योजना के अंतर्गत् रोपड़, पंजाब में चमकौर साहिब का विकास	2021-22	31.57
18.	राजस्थान	28.	पुष्कर / अजमेर का समेकित विकास	2015-16	32.64
19.	सिक्किम	29.	युकसोम में फोर पेट्रन सेंट्स में तीर्थयात्रा सुविधा का विकास	2020-21	33.32
20.	तमिलनाडु	30.	कांचीपुरम का विकास**	2016-17	13.99
		31.	वेलंकनी का विकास**	2016-17	4.86
21.	तेलंगाना	32.	जोगुलम्बा देवी मंदिर, आलमपुर का विकास	2020-21	36.73
		33.	तेलंगाना के भद्राचलम, भादाद्री कोट्टागुडम जिले में तीर्थ अवसंरचना का विकास	2022-23	41.38
		34.	रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर, मुलुगु में तीर्थयात्रा और विरासत पर्यटन अवसंरचना का विकास	2022-23	62.00
22.	त्रिपुरा	35.	त्रिपुर सुंदरी मंदिर, उदयपुर का विकास	2020-21	37.80
23.	उत्तराखण्ड	36.	केदारनाथ का समेकित विकास**	2015-16	34.77
		37.	प्रशाद योजना के अंतर्गत बद्रीनाथजी धाम (उत्तराखंड) में तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए अवसंरचना का विकास	2018-19	56.13
		38.	प्रशाद योजना के अंतर्गत उत्तराखण्ड में गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में तीर्थयात्रा अवसंरचना सुविधाओं में वृद्धि	2021-22	54.36
24.	उत्तर प्रदेश	39.	मेगा टूरिस्ट परिपथ के रूप में मथुरा - वृंदावन का विकास (चरण II)**	2014-15	10.98
		40.	मथुरा जिले के वृंदावन में पर्यटक सूचना	2014-15	9.36

			केन्द्र का निर्माण **		
		41.	वाराणसी का विकास- चरण । **	2015-16	20.40
		42.	गंगा नदी, वाराणसी में क्रूज पर्यटन	2017-18	9.02
		43.	प्रशाद योजना-चरण ।। के अंतर्गत वाराणसी का विकास	2017-18	44.60
		44.	गोवर्धन, मथुरा, उत्तर प्रदेश में अवसंरचना सुविधाओं का विकास	2018-19	39.74
25.	पश्चिम बंगाल	45.	बेलूर का विकास	2016-17	30.03

** परियोजनाएं पूर्ण हो गई हैं

*****